CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 06

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**

   भारत में वर्ष 1991 से कर सुधारों की जिस प्रक्रिया की शुरुआत हुई है, उसका उद्देश्य पूरे देश में वस्तुओं एवं सेवाओं पर एक समान कर प्रणाली को लागू करना है। वस्तु एवं सेवा कर वस्तुओं एवं सेवाओं पर लगाया जाने वाला एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर है, जिसमें केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य स्तरीय वैट, चुंगी, क्रय कर, विलासिता कर, मनोरंजन शुल्क, सेवा कर आदि शामिल हैं।

   वस्तु एवं सेवा कर से होने वाले लाभों को देखा जाए, तो यह प्रारंभिक स्तर पर वर्तमान कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी, सुसंगत व प्रभावी बनाएगा। इससे करारोपण एवं कर वसूली दोनों स्तरों पर जटिल प्रक्रियाओं एवं नियमों-विनियमों के जंजाल से छुटकारा मिल सकेगा।

   कर-प्रणाली किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रणाली की रीढ़ होती है। यह जितनी मजबूत होगी आर्थिक ढाँचा उतना ही सुदृढ़ होगा। इस परिप्रेक्ष्य में 'वस्तु एवं सेवा कर' से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अनुभवों को भी देखें, तो सकारात्मक एवं उत्साहजनक परिणाम दिखते हैं। भारत जैसी उभरती आर्थिक शक्ति के लिए आर्थिक सुधार अनिवार्य है। अतः वस्तु एवं सेवा कर संबंधी प्रावधानों पर केंद्र व राज्यों को सर्वसम्मति बनाते हुए इसे लागू करना श्रेयस्कर प्रतीत होता है।

   i. वस्तु एवं सेवा कर से आप क्या समझते हैं तथा इसमें क्या-क्या शामिल हैं? (2)
   ii. वस्तु एवं सेवा कर से होने वाले लाभों को स्पष्ट कीजिए। (2)
   iii. किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रणाली की रीढ़ क्या है? स्पष्ट कीजिए। (2)
   iv. 'सुसंगत' शब्द से उपसर्ग अलग कीजिए। (2)

v. किन्ही दो अप्रत्यक्ष करों के नाम लिखिए। (1)

vi. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

Section B

2. शब्द किसे कहते हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट करिए ? **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

   i. वे बाज़ार गए और सब्ज़ी ले आए। (सरल वाक्य)

   ii. नदी में बाढ़ आने पर गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं। (संयुक्त वाक्य)

   iii. जो सोता है, सो खोता है। (सरल वाक्य)

   iv. राधा धूप में बैठकर सब्ज़ी काटने लगी। (संयुक्त वाक्य)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)

      i. प्रतिदिन

      ii. पंचतन्त्र

      iii. राहखर्च

   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)

      i. सात सौ पदों का समूह

      ii. विद्युत् जैसी चंचला

      iii. निर्गत है धन जिससे

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

   i. वह ने खाना खा लिया।

   ii. एक फूलों की माला लाओ।

   iii. कुछ जगहों में अशुद्धियाँ पड़ी हैं।

   iv. मेले में बच्चा खो गई।

   v. अपने हाथ से स्वयं काम करो।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

   i. सुनामी के प्रकोप के बाद आम व्यक्ति के जीवन को _____ में सालों लग गए।

   ii. उसके विरुद्ध तुम मेरे _____ हो।

   iii. जब से रंजीत का पुत्र एयरफोर्स में नियुक्त हुआ है, उसका दिमाग _____ पर है।

   iv. स्वादिष्ट मिठाई देखकर राजू के _____।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. "आज जो बात थी वह निराली थी" किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ii. आशय स्पष्ट कीजिए- "गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।"

iii. प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में आप क्या सहयोग दे। सकते हैं? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

iv. 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए- "जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है, तब 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है।"

8. बड़ा भाई छोटे भाई पर अधिकार जमाने के लिए कौन-कौन से उपाय करता है? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर तताँरा का चरित्र-चित्रण लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. मीरा ने कृष्ण से स्वयं के दुःख हरने का आग्रह क्यों किया है?

ii. पर्वतीय प्रदेश में स्थित तालाब के सौंदर्य का पर्वत प्रदेश में पावस कविता के आधार पर चित्रण कीजिए।

iii. भाव स्पष्ट कीजिए-
"खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई।"

iv. मनुष्य को किस प्रकार का सामाजिक जीवन जीना चाहिए? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए।

10. कबीर की साखियाँ जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें जिन जीवन-मूल्यों की झलक मिलती है, उनका उल्लेख कीजिए। **(5)**

OR

आत्मत्राण कविता हमें दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखाती है। स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. हरिहर काका ने ठाकुरबारी जैसी संस्था में ही रहना प्रारंभ कर दिया था, जबकि उनका प्रिय स्थान तो उनका अपना घर था; तो क्यों? उनके परिवार के लोगों के व्यवहार के प्रति अपने विचार व्यक्त करके बताइए कि आप उनमें से एक होते तो क्या करते?

ii. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं? टोपी शुक्ल पाठ के आधार लिखिए ।

12. **भारतीय नारी कि महत्ता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

- करुणा, माया और ममता की मूर्ति
- अनंत गुणों से परिपूर्ण
- ऐतहासिक संदर्भ
- भारतीय और पाश्चात्य नारी में अंतर।

OR

परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सूक्ति से तात्पर्य
- मानव एवं पशु में अंतर
- परोपकारियों के उदाहरण
- भारतीय संस्कृति में परोपकार का महत्त्व

OR

कंप्यूटर : आज की ज़रूरत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- कंप्यूटर का परिचय
- कंप्यूटर की उपयोगिता
- कंप्यूटर से होने वाली हानियाँ

13. अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए ज़िलाधिकारी को एक पत्र लिखिए। **(5)**

OR

किसी प्रकाशक से पुस्तकें मगवाने के लिए एक व्यावसायिक पत्र लिखिए।

14. आप जैन भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली के कैप्टन अमित सक्सेना हैं। आपके विद्यालय में 25 मार्च, 2019 को वार्षिक समारोह का आयोजन होगा। सभी विद्यार्थियों को सूचित करते हुए 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए, जिसमें

विद्यार्थियों को वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए कहा गया हो। **(5)**

OR

विद्यालय के सुचनापट्ट पर खेल अधीक्षक द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट की जानकारी हेतु 20-25 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

15. वस्तुओं की निरंतर बढ़ती महँगाई की चिंता को लेकर दो महिलाओं में होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

बस से उतरने की हड़बड़ाहट में आप अपने सहयात्री को धक्का दे बैठते हैं, जिससे उसका सामान गिर जाता है। इस स्थिति पर अपने सहयात्री से माफ़ी माँगते हुए उसके और आपके बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. आपका अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान उच्चकोटि का है। आप अपने भाषा ज्ञान का लाभ उठाकर गर्मियों की छुट्टियों में अर्थोपार्जन करना चाहते हैं। एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

योग दिवस पर 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 06

Answer
Section A

1. i. वस्तु एवं सेवा कर वस्तुओं एवं सेवाओं पर लगाया जाने वाला एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर है, जिसमें केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य स्तरीय वैट, चुंगी, क्रय कर, विलासिता कर, मनोरंजन शुल्क, सेवाकर आदि शामिल हैं।
   ii. वस्तु एवं सेवा कर से होने वाले लाभों को देखा जाए तो यह प्रारंभिक स्तर पर वर्तमान कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी, सुसंगत व प्रभावी बनाएगा। इससे करारोपण एवं कर वसूली दोनों स्तरों पर जटिल प्रक्रियाओं एवं नियमों-विनियमों के जंजाल से छुटकारा मिल सकेगा।
   iii. कर प्रणाली किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रणाली की रीढ़ होती है। यह जितनी मजबूत होगी आर्थिक ढाँचा भी उतना ही सुदृढ होगा।
   iv. 'सुसंगत' शब्द 'सु' उपसर्ग के संयोग से बना है।
   v. केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य स्तरीय वैट और क्रय कर
   vi. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक 'वस्तु एवं सेवा कर' होगा।

Section B

2. शब्द भाषा की स्वतंत्र व अर्थवान इकाई है जो स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होती है, जब यह वाक्य के बाहर होता है तो यह शब्द कहलाता है । जैसे- लड़का, कमल ।

3. i. वे बाज़ार जाकर सब्ज़ी ले आए।
   ii. नदी में बाढ़ आती है और लोग परेशान हो जाते हैं।
   iii. सोने वाला खोता है।
   iv. राधा धूप में बैठी और सब्ज़ी काटने लगी।
4. I. i. प्रतिदिन = प्रत्येक दिन / हर दिन (अव्ययीभाव समास)
      ii. पंचतन्त्र = पांच तंत्रों का समूह / पाँच तंत्रों का समाहार (द्विगु समास)
      iii. राहखर्च = राह के लिए खर्च (चतुर्थी/ संप्रदान तत्पुरुष समास)
   II. i. सात सौ पदों का समूह = सतसई (सात सौ पदों का समाहार)(द्विगु समास)
      ii. विद्युत् जैसी चंचला = विद्युतचंचला (उपमेय/ उपमान) (कर्मधारय समास)
      iii. निर्गत है धन जिससे = निर्धन (तत्पुरुष समास)
5. i. उसने खाना खा लिया।
   ii. फूलों की एक माला लाओ।
   iii. कुछ वाक्यों में अशुद्धियाँ हैं।

iv. बच्चा मेले में खो गया।

v. अपना काम स्वयं करो।

6. i. ढर्रे पर आने

ii. कान भर रहे

iii. सातवें आसमान

iv. मुँह में पानी भर आया

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. 26 जनवरी, 1931 के दिन को अपने आप में निराला बताने का कारण यह है कि उस दिन कलकत्ता में हज़ारों की संख्या में स्त्री-पुरुष उत्साहपूर्वक आजादी का दिन मनाने के लिए जुलूस में शामिल हो गए थे। लोग अंग्रेजी सरकार के कानून तोड़कर जगह जगह पर इकट्ठा हो गए थे। यही नहीं, भारी पुलिस बल की तैनाती और लाठीचार्ज तथा गिरफ्तारी के बावजूद लोग पीछे नहीं हट रहे थे ।

ii. वज़ीर अली एक तूफ़ान की भाँति बहुत ही साहसी एवं शक्तिशाली सिपाही था। जब वह घोड़े पर सवार होकर अकेला चला आ रहा था, तो उसके घोड़े के टापों से उठने वाली धूल इतनी अधिक थी कि ऐसा लग रहा था मानो सैनिकों का एक काफ़िला चला आ रहा हो।

iii. प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए हम निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:

i. वृक्षों को नहीं काटना चाहिए और समय-समय पर नए वृक्ष लगाते रहना चाहिए ।

ii. प्राकृतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए ।

iii. अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना चाहिए

iv. जब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' मौके का फ़ायदा नहीं उठा पाते, तो इनके द्वारा आदर्शों का पालन नहीं होता। वे मर्यादा की सीमा को लाँघ जाते हैं तथा सूझ-बूझ और व्यावहारिकता की आड़ लेकर अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए सही-गलत सब काम करते हैं | जहां व्यावहारिकता होती है वहाँ आदर्श टिक नहीं पाते हैं। वास्तव में व्यावहारिकता ही अवसरवादिता का दूसरा नाम है।

8. बड़ा भाई छोटे भाई पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहता है। वह उसके खेलकूद पर बंदिश डालता है। उसे हमेशा पढ़ाई का डर दिखाता है तथा ऊपरी कक्षाओं की पढ़ाई कितनी कठिन है यह बताते हुए आज की शिक्षा व्यवस्था में कौन-कौन सी खामियां है यह भी स्पष्ट करता है। जब छोटा भाई उपरी कक्षाओं में भी अव्वल आता है तब वह उसे अहंकारी सिद्ध करके अहंकार करने वाले की क्या दशा होती है वह रावण, शैतान तथा रोम के बादशाह का उदाहरण देकर अहंकार न करने की सलाह देता है। इससे छोटे भाई का आत्मविश्वास डगमगा जाता है। इसके अलावा बड़ा भाई जब तीसरी बार भी पास हो जाता है तो उसे अनुभव का महत्व बताकर अपने आपको उससे बड़ा साबित करने का प्रयास करता है जिसका तोड़ छोटे

भाई के पास नहीं होता है और उसे बड़े भाई का श्रेष्ठत्व स्विकारना पड़ता है। इस प्रकार हर संभव प्रयास करके बड़ा भाई छोटे भाई को अपने नियंत्रण में रखने का प्रयास करता है।

OR

तताँरा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. आकर्षक व्यक्तित्व- तताँरा व्यक्तित्व अत्यंत आकर्षक था। वह बलिष्ठ, सुंदर, शांत और आकर्षक था। यही कारण है कि उसे देखते ही वामीरो प्रथम मुलाकात में उसकी ओर आकर्षित हो गई।
ii. साहसी एवं परोपकारी- तताँरा अत्यंत साहसी था | इसी कारण वह अद्भुत काम कर सकता था। वह नेक, उदार, सहयोगी और परोपकारी था जो हर किसी की मदद के लिए तैयार रहता था।
iii. सम्मान का पात्र- तताँरा के व्यवहार एवं सहयोग पूर्ण स्वभाव के कारण ही द्वीपवासी उसका सम्मान करते थे। इसी कारण उसे दूसरे गाँव के लोग भी अपने यहाँ निमंत्रित करते थे।
iv. दैवीय शक्ति संपन्न व्यक्ति- तताँरा के पास लकड़ी की तलवार थी जो उसे अद्भुत दैवी शक्ति थी। इस तलवार की मदद से जमीन के दो टुकड़े करने का अद्भुत कार्य कर सका।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. मीरा ने कृष्ण से स्वयं के दुःख हरने का आग्रह इसलिए किया है क्योंकि श्रीकृष्ण अपने भक्तों का कल्याण करते हैं। मीरा सांसारिक दुखों से दुखी हैँ। उसे लगता है कि कृष्ण जिस प्रकार अपने भक्तों का दुख दूर करते हैं वैसे ही मेरा भी करेंगे क्योंकि वह भी श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त हैं जो उनपर सबकुछ नोछावर करने के लिए तत्पर है। मीरा श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती हैं और उन्हें अपना सर्वस्व मानती हैं।

ii. पर्वतीय प्रदेश में पहाड़ की तलहटी में एक विशाल आकार का तालाब है। वहाँ होने वाली वर्षा के जल से यह तालाब परिपूरित रहता है। तालाब के पास ही विशालकाय पर्वत है। इसकी परछाई इसके पानी में उसी तरह दिखाई देती है जैसे साफ़ दर्पण में कोई वस्तु दिखाई देती है।

iii. सैनिक अपने देश की युवा शक्ति का आह्वान करते हुए, पौराणिक कथा के माध्यम से उन्हें देश की रक्षा हेतु बलिदान देने के लिए उत्साहित व प्रेरित करता है। वह कहता है कि अपनी सीमाओं पर अपने खून से ऐसी लकीर खींच दो कि किसी 'रावण' को उस ‘लक्ष्मण रेखा' को पार करने के लिए कई बार सोचना पड़े अर्थात् सुरक्षा का घेरा बना दो कि यदि कोई भी विदेशी ताकत इस सीमा का अतिक्रमण करे तो उसे उचित जवाब दो जिससे फिर कोई भारतमाता के आँचल को मलिन करने का दुस्साहस न कर सके। सैनिक युद्ध में इसी प्रकार अपना रक्त बहाकर लकीर खींचते हैं और देश को दुश्मनों से बचाते हैं।

iv. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के बिना उसके अस्तित्व की कल्पना करना भी असंभव है। दैनिक जीवन में मनुष्यों में परस्पर आदान-प्रदान, संवाद व सहभागिता हमेशा चलती रहती है। इसलिए मनुष्य जीवन में उदारता, सहयोग, भाईचारा व प्रेम का अत्यंत महत्त्व है। हमें सबका सहयोग करना चाहिए। ज़रूरतमंदों की मदद

करनी चाहिए। अपनी समृद्धि व संपन्नता पर घमंड नहीं करना चाहिए। सबके साथ चलने से ही सबका कल्याण होता है। मानव सेवा को ही जीवन का उद्देश्य मानना चाहिए।

10. कबीर की साखियाँ कबीर के अनुभव और गहनता से खोजे गए सत्य पर आधारित है। उनकी हर साखी मनुष्य को सीख सी देती प्रतीत होती है। इन साखियों में हमें कई जीवन मूल्यों की झलक मिलती है; जैसे-

    - मनुष्य को सदैव ऐसी वाणी बोलना चाहिए जिससे बोलने और सुनने वाले दोनों को ही सुख और शीतलता मिले।
    - मनुष्य को अहंकार का त्याग कर देना चाहिए।
    - अपने आलोचकों को अपने आसपास ही जगह देना चाहिए ताकि व्यक्ति का स्वभाव परिष्कृत हो सके।
    - ईश्वर प्राप्ति के लिए मनुष्य को उचित प्रयास करना चाहिए जिसके लिए यह समझना आवश्यक है कि उसका वास घट-घट में है।

OR

'आत्मत्राण' कविता में दुख के प्रति एक अलग दृष्टिकोण प्रकट हुआ है। इस कविता में दुख से पलायन करने की प्रवृत्ति त्यागकर उसे सहर्ष स्वीकारने तथा उस पर विजय पाने की प्रेरणा दी गई है। कविता में दुख और सुख दोनों को समान भाव से अपनाने का संदेश है। सुख के समय में भी प्रभु के प्रति मन में संदेह न पैदा होने देने तथा हर स्थिति में आस्था एवं विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया है जिससे हमारी आस्थावादिता बढ़ती है। इस तरह सुख में प्रभु को धन्यवाद देने तथा दुख को आत्मबल से जीतने का भाव समाहित करने वाली यह कविता हमें दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखलाती है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. हरिहर काका की स्वयं की कोई संतान नहीं थी और उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो गई थी। ऐसी परिस्थिति में उन्होंने अपने भाइयों के परिवार को ही अपना परिवार समझ लिया था और उनके साथ रहने लगे थे।
    शुरू-शुरू में तो हरिहर काका का जीवन शांतिपूर्वक चलता रहा, किंतु कुछ सालों के पश्चात् उनके परिवार के सदस्य उनसे दूरी बनाने लगे। उनके मान-सम्मान में कमी आने लगी। घर का बचा हुआ भोजन ही उन्हें दिया जाता था।
    एक बार घर में स्वादिष्ट पकवान बनें, किंतु हरिहर काका को सूखा भोजन दिया गया। इस घटना से वे इतने दुःखी हुए कि उन्होंने भोजन की थाली पटक दी और घर छोड़कर चले गए।
    उनका परिवार से मोहभंग हो गया, इसलिए उन्हें अपने प्रिय स्थान (घर) को छोड़कर ठाकुरबारी जैसी संस्था में रहना पड़ा। उनके परिवार के लोगों का व्यवहार स्वार्थ से भरा था। वे केवल उनकी पंद्रह बीघे ज़मीन को प्राप्त करना चाहते थे। यदि मैं उनमें से एक होता तो समय निकालकर उनके पास बैठता, उनके सुख-दुःख की बातें सुनता ताकि उन्हें अकेलेपन से मुक्ति मिल पाए।

    ii. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने - बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाई क्योंकि उनकी शादी एक

मौलवी से हुई थी और मौलवी के घर में गाना - बजाना संभव नहीं था। उन्होंने अपने गाँव में हिंदू परिवारों में शादी-विवाह के अवसर पर गाने-बजाने की परंपरा देखी थी। इस प्रयोजन का कोई धार्मिक महत्व नहीं था बल्कि इसमे लोगों का आंतरिक उल्लास और खुशी झलकती थी। दादी ने भी अपने बेटे की शादी में इस परंपरा को अपनाना चाहा, किंतु पति ने मना कर दिया। दादी की इच्छा पूरी नहीं हो पाई और वो अपना मन मसोस कर रह गई।

Section D

12. भारतीय नारी दया, करुणा, ममता और प्रेम की पवित्र मूर्ति है और वक्त पड़ने पर वह प्रचंड चंडी भी बन जाती है। सृष्टि के आरंभ में ही अनंत गुणों का आगार रही है जिसकी गौरवगाथा से भारतीय धार्मिक साहित्य एवं इतिहास के पन्ने भरे हुए हैं। पृथ्वी की-सी क्षमता, सूर्य जैसा तेज, समुद्र की-सी गंभीरता, पर्वतों की-सी मानसिक उच्चता तथा चन्द्रमा की-सी शीतलता हमें एक साथ नारी के हृदय में दृष्टिगोचर होती है। गार्गी, मैत्रीय, अनुसूया, अहिल्या, सीता, द्रौपदी, रुक्मिणी, तारा, मंदोदरी, कुंती, गांधारी अदि अनेक ऐसी नारियाँ हैं जिन पर भारतवासी गर्व करते हैं और उनके पावन चरित्रों को सुनते-सुनते हुए प्रेरणा लेते हैं। स्वतंत्रता संग्राम का श्रीगणेश झाँसी की रानी के कर कमलों से संपन्न हुआ था। राजनीतिक क्षत्र में भी भारतीय नारी सदा अंग्रिम पंक्ति में रही है। भारतीय नारी आज भी पाश्चात्य नारी की अपेक्षा कहीं अधिक सहनशील तथा संतोषी है। इस वजह से कई ऐसे प्रवासी भारतीय हैं जो भारिय नारी को अपना जीवन साथी बनाना उचित समझते हैं। इस देश की नारी की लग्न और निष्ठा देखकर कहा जा सकता है कि उसका भविष्य उज्ज्वल है।

OR

परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार

गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि

परहित सरिस धर्म नहिं भाई।
परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।

अर्थात् परहित (परोपकार) के समान दूसरा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा (कष्ट) देने के समान कोई अन्य नीचता या नीच कर्म नहीं है। पुराणों में भी कहा गया है, 'परोपकारः पुण्याय पापाय परपीड़नम्' अर्थात् दूसरों का उपकार करना सबसे बड़ा पुण्य तथा दूसरों को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है।
परोपकार की भावना से शून्य मनुष्य पशु तुल्य होता है, जो केवल अपने स्वार्थों की पूर्ति तक ही स्वयं को सीमित रखता है। मनुष्य जीवन बेहतर है, क्योंकि मनुष्य के पास विवेक है। उसमें दूसरों की भावनाओं एवं आवश्यकताओं को समझने तथा उसकी पूर्ति करने की समझ है। इसी कारण मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है।
इस दुनिया में महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, दधीचि ऋषि, अब्राहम लिंकन, मदर टेरेसा, बाबा आम्टे जैसे अनगिनत महापुरुषों के जीवन का उद्देश्य परोपकार ही था। भारतीय संस्कृति में भी इस तथ्य को रेखांकित किया गया है कि मनुष्य को उस प्रकृति से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिसके कण-कण में परोपकार की भावना व्याप्त है। भारतीय संस्कृति में इसी भावना के

कारण पूरी पृथ्वी को एक कुटुंब माना गया है तथा विश्व को परोपकार संबंधी संदेश दिया गया है। इसमें सभी जीवों के सुख की कामना की गई है।

OR

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में लाखों-करोड़ों गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसान और समय बचाने वाली हो गई है। आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। कंप्यूटर आज जीवन की आवश्यकता बन गया है। अतः इसका सही ढंग से प्रयोग कर हम अपने जीवन में प्रगति कर सकते हैं|

13. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
जिलाधिकारी,
महोदय,
वन एवं पर्यावरण विभाग,
नई दिल्ली।
विषय पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने हेतु।
महोदय,

मैं उत्तम नगर क्षेत्र का निवासी हैं। अपने क्षेत्र का एक ज़िम्मेदार | नागरिक होने के नाते मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र में हो रहे पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव की ओर दिलाना चाहता हूँ। दो-तीन वर्षों पूर्व हमारा क्षेत्र बहुत हरा-भरा था, लेकिन आज परिस्थिति बदल चुकी है। हाल ही में यहाँ कई विकास परियोजनाओं का आरंभ हुआ है, जिसके कारण पेड़-पौधों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इससे इस क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पेड़-पौधे हमारे लिए कितने महत्त्वपूर्ण हैं, यह जानते हुए भी हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है। इसे किसी भी स्थिति में तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता।
मैं समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से आपसे निवेदन करता हूँ कि हमारे क्षेत्र में वृक्षों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए

शीघ्र | ही उचित कदम उठाइए ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। उचित कदम की प्रतीक्षा में।
भवदीय
कपिल,
उत्तम नगर

OR

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
प्रकाशक महोदय,
अग्रदूत प्रकाशन हाउस,
रेलवे रोड, नई दिल्ली।
विषय पुस्तकें मँगवाने हेतु।
महोदय,

मैं सर्वोदय विद्यालय, दिल्ली का कक्षा दसवीं का विद्यार्थी हैं। | मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता है। अतः अपसे | विनम्र अनुरोध है कि ये पुस्तकें शीघ्र ही वी.पी.पी. द्वारा भेजने का कष्ट करें। कृपया पुस्तकों का उचित शुल्क लगाकर ही बिल संलग्न करें। पुस्तकों की सूची इस प्रकार हैं।

1. गोदान = 2 प्रति
2. पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग-1 = 2 प्रति
3. पूरक पुस्तक संचयन भाग-1 = 3 प्रति

ध्यान रहे कि कोई भी पुस्तक कटी-फटी न हो तथा ज़िल्द अच्छे से चढ़ी हो। मैं आश्वासन देता हूँ कि वी. पी. पी. प्राप्त होते ही तुरंत उचित भुगतान कर दूंगा। सधन्यवाद।
भवदीया
कोमल

14.

जैन भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली

सूचना

दिनांक 11 मार्च, 2019

वार्षिक समारोह का आयोजन

सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि 25 मार्च, 2019 को हमारे विद्यालय में बीसवें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 12 अप्रैल, 2019 तक संगीत शिक्षिका श्रीमती छाया यादव को संपर्क कर सकते हैं।
अमित सक्सेना
स्कूल कैप्टन

OR

सूचना
जूनियर इंटर स्कूल टूर्नामेंट 20 फरवरी से विद्यालय के प्रागंण में आरंभ होंगे। चयन हेतु मैच विद्यालय के पश्चात् 1 अप्रैल से 8 अप्रैल, 2019 तक 3:30 बजे से 6 बजे तक खेले जाएँगे।
सभी छात्र जो 12 से 14 आयु वर्ग के खेलने के इच्छुक हैं, अपना नाम सेक्रेटरी, क्रिकेट एसोसिएशन, न्यू इरा स्कूल को 30 मार्च, 2019 तक दे सकते हैं।
सेक्रेटरी खेल क्लब
खेल अधीक्षक

15. पहली महिला - दीदी! महँगाई के कारण मेरा मार्केट जाने का मन नहीं करता।
दूसरी महिला - इस महँगाई के युग ने मध्यम वर्ग के लोगों का जीना हराम कर दिया है।
पहली महिला - दीदी! जब सारे भ्रष्ट होने तो महँगाई तो बढ़ेगी ही।
दूसरी महिला - तुम ठीक कहती हो! शायद सरकार भूखा मारकर ही देश की जनसंख्या को घटाना चाहती हो।

OR

सहयात्री - भाई साहब! जरा सँभलकर उतरिए।
आप - जी महोदय, लेकिन मुझे थोड़ी जल्दी है।
सहयात्री - (गुस्से से) जल्दी तो सभी को है, मुझे भी हैं। लेकिन आपकी जल्दबाज़ी के कारण आपने मुझे धक्का देकर मेरा सामान गिरा दिया। अरे! मेरा सामान पकड़ो.....।
आप - माफ़ कीजिए, मेरा इरादा आपका सामान गिराकर आपको कष्ट पहुँचाना नहीं था।
सहयात्री - वह तो ठीक है, भाई साहब। पहले सामान उठाने में मेरी मदद तो कीजिए।
आप - जी, अवश्य। (सामान उठाकर सहयात्री को देते हुए) यह लीजिए अपना सामान। मेरे कारण हुई असुविधा के लिए मैं पुनः आपसे माफ़ी माँगता हूँ।
सहयात्री - समझ सकता हैं कि आपने जान-बूझकर ऐसा नहीं किया और फिर आपने मेरी सहायता भी की। इसके लिए आपका धन्यवाद।

16.

इन गर्मी की छुट्टियों में अपने भाषा ज्ञान को बढ़ाइए

PWN शॉर्ट टर्म लैंग्वेज क्लासिस

- हिंदी और अंग्रेजी भाषा को उच्च कोटि का ज्ञान
- ग्रुप डिस्कशन
- सबसे कम फीस में उपलब्ध
- मौखिक और लिखित कक्षाएँ
- व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण
- आइए और अपनी भाषा संबंधी समस्याओं को दूर कीजिए प्रवेश प्रारंभ
- प्रथम 25 इच्छुक लोगों को 10% की छूट

संपर्क करें : B-775 मोती नगर दिल्ली

फोन.नं. 011-40011XX

OR

आओ मिलकर योग करें

स्वस्थ जीवन का आधार

समय 6:00-8:00 am

शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ बनाए रखने में योग ही सक्षम है।

संपर्क करें 097114141XX, 99979482XX